बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा– 7, 8

विषय– संस्कृत

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शिक्षकों के लिए निर्देश

कोरोना महामारी के कारण विद्यालयों में पढ़ाई की क्षति की भरपाई करने हेतु राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना द्वारा आहूत कार्यशाला में लिए गए निर्णयानुसार बच्चों के लिए 60 दिनों तक पूर्व कक्षा के विषय वस्तु को ही पढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

कक्षा 7 से 10 तक अध्ययनरत छात्रों हेतु उनके विगत वर्ग की पाठ्यपुस्तक से सामग्री संगृहीत की गई है। चूँकि संस्कृत की पढ़ाई वर्ग छह से प्रारंभ होती है, अतः वर्ग छह के लिए सामग्री नहीं बनाई गई है। इस प्रकार संस्कृत विषय में कक्षा 6, 7, 8 एवं 9 की पाठ्यपुस्तकों से क्रमशः वर्ग 7, 8, 9 एवं 10 के छात्रों के लिए पढ़ाये जाने वाले पुस्तकांशों पर संस्कृत समूह ने काम किया है।

समूह ने वर्णित एक चौथाई (60 दिन) समय के लिए लगभग एक तिहाई पाठों को पढ़ाने हेतु अनुशंसा की है। इस क्रम में पाठों के नाम, सीखने का प्रतिफल, अधिगम संकेतक तथा सुझावात्मक प्रक्रिया दी गई हैं। पाठ को पढ़ाने के क्रम में लगने वाले कार्य दिवसों की चर्चा भी की गई है।

पाठों का चयन इस प्रकार किया गया है, ताकि साहित्य के अधिकाधिक विधाओं, व्याकरण के अधिक प्रसंगों तथा अगले वर्ग हेतु उपयुक्त संदर्भों को समेटा जा सके। आशा है कि ये सुझावात्मक प्रक्रियाएँ तथा पाठ छात्रों के लिए हितकर होंगे।

निदेशक

(गिरिवर दयाल सिंह)

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्

बिहार, पटना

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

वर्ग	सुनना	बोलना	पढ़ना	लिखना
सप्तम	सरल संस्कृत शब्दों को सुनकर समझ सकेंगे। सरल संस्कृत वाक्यों को सुनकर समझ सकेंगे।	संस्कृत शब्दों को सुनकर बोल सकेंगे।	सरल शब्दों को पढ़ सकेंगे। संस्कृत वर्णों को समझ सकेंगे।	सरल संस्कृत शब्द लिख सकेंगे।
अष्टम	सरल संस्कृत वाक्यों को सुनकर समझ सकेंगे। पूर्व ज्ञात कहानियों को सरल संस्कृत वाक्यों में सुनकर समझ सकेंगे।	संस्कृत वाक्यों को बोल सकेंगे। अपने भाव को परिचित संदर्भ में लघु वाक्यों में बोल सकेंगे।	संस्कृत के सरल वाक्यों को पढ़ सकेंगे।	संस्कृत वाक्य लिख सकेंगे। अन्य भाषा के वाक्यों का संस्कृत लिख सकेंगे।
नवम	सरल संस्कृत प्रसंगों को सुनकर समझ सकेंगे तथा इनका भाषांतर कर सकेंगे।	अपने परिवेश के संदर्भ में सरल संस्कृत में संभाषण दे सकेंगे।	संस्कृत वाक्यों को उचित उच्चारण के साथ पढ़ सकेंगे।	संस्कृत में परिचित विषयों पर अनुच्छेद लेखन कर सकेंगे। अन्य भाषा के वाक्यों/अनुच्छेदों को संस्कृत में लिख सकेंगे।
दशम	संस्कृत में वाक्यों/प्रसंगों को सुनकर अर्थग्रहण कर सकेंगे।	परिचित विषयों पर सरल संस्कृत में अपने भाव प्रकट कर सकेंगे।	उचित उच्चारण एवं उतार–चढ़ाव के साथ संस्कृत गद्य/पद्य को पढ़ सकेंगे।	संस्कृत में परिचित संदर्भों में लघु लेख लिख सकेंगे।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (catch-up course)

कक्षा 7 (कक्षा 6 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा 7 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

विषय– संस्कृत

सीखने का प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय Chapters	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive process	अवधि (दिनों में) Duration(in Days)
• पठित श्लोकों का उच्चारण कर सकते हैं। • चतुर्थी विभक्त्यन्त पदों को बोलने में समर्थ होते हैं। • संस्कृत गीत श्लोकादि काव्यगायन में समर्थ होतेहैं। • रूचिपूर्वक संस्कृत को शुद्ध रूप में पढ़ सकेंगे। •	प्रथमः पाठः प्रार्थना	• श्लोक का गायन करना। • कठिन पदों का अर्थ जानना। • संधि–विच्छेद करना। • शब्दार्थ का अभ्यास करना। • मौखिक एवं लिखित अभ्यास को हल करना। • श्लोकद्वय का अभ्यास करना।	• श्लोकों का बारी–बारी से सस्वर वाचन करायेंगे। • श्लोक में आये कठिन पदों को संधि–विच्छेद या वर्ण–विच्छेद कर समझायेंगे।यथा– त्वम्+एव, बन्धुः+च। • हिमालय और भारतीय नदियों की चर्चा करेंगे। • 'नमः' के योग में चतुर्थी विभक्ति के बारे में बतायेंगे। • अभ्यास के प्रश्नों को हल करायेंगे।	12
• संस्कृत भाषा के कुछ संज्ञा एवं क्रियाबोधक शब्दों को बोल सकते हैं। • कतिपय संज्ञा एवं क्रिया	द्वितीयः पाठः सरलपदपरिचयः	• सरल वाक्यों को बोलना। • विसर्ग का सही उच्चारण करना। • सरल वाक्यों का अर्थ मातृभाषा में जानना।	• पाँच–पाँच वाक्यों को प्रतिदिन पढ़वायेंगे तथा लिखवायेंगे। • वाक्यों के अर्थ दूसरी भाषा में बतायेंगे।	12

शब्दों के अर्थ दूसरी भाषा में कह सकते हैं। • पाठ्यपुस्तक में शब्द–परिचय के अन्तर्गत विद्यमान पुलिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग शब्दों को समझ सकते हैं। • सरल शब्दों में परिचयात्मक शब्दों का प्रयोग करने में समर्थ होते हैं। • हलन्तादि चिन्हों को समझ सकते हैं। संस्कृत भाषा के सरल एवं लघु शब्दों को सीखने में समर्थ होते हैं तथा कतिपय शब्दों को स्मरणपूर्वक बोल सकते हैं।		• वाक्यों को शुद्ध–शुद्ध लिखना। • शब्दार्थ जानना। • 'अभ्यास' बनाना।	• विसर्ग का उच्चारण सिखायेंगे। • चित्र बनवायेंगे। • शब्दार्थों को बार–बार दुहराने को प्रेरित करेंगे। • मौखिक और लिखित अभ्यास करायेंगे। • वर्णों को मिलाकर शब्द बनवायेंगे। यथा– न्+अ+र्+अः = नरः।	
• संस्कृत भाषा के कुछ संज्ञा एवं क्रियाबोधक शब्दों को बोल सकते हैं। • कतिपय संज्ञा एवं क्रिया शब्दों के अर्थ दूसरी भाषा में कह सकते हैं।	तृतीयः पाठः संख्याज्ञानम्	• वाक्यों का उच्चारण करना। • वाक्यों का अर्थ दूसरी भाषा में बताना। • चित्र बनाना। • संस्कृत में गिनती कराना (1–20)। • शब्दार्थ अभ्यास करना।	• पाँच–पाँच वाक्य प्रतिदिन पढ़वायेंगे। • विसर्ग का उचित उच्चारण करायेंगे। • संख्याबोध करायेंगे। • 'व्याकरणम्' की पाठ्यसामग्री को समझायेंगे। • 'अभ्यास' के अन्तर्गत दिए गए	12

• संख्याओं को संस्कृत में बोल सकते हैं। • पठित शब्दों का वचनों के साथ शुद्ध उच्चारण कर सकते हैं।		• 'व्याकरणम्' को समझना। • 'अभ्यास' के प्रश्नों का उत्तर देना।	मौखिक एवं लिखित अभ्यास के प्रश्नों को हल करायेंगे।	
• पठित श्लोकांशों का उच्चारण कर सकते हैं। • विभक्त्यन्त पदों को बोलने में समर्थ होते हैं। • संस्कृत गीत, श्लोकादि काव्यगायन में समर्थ होते हैं। • प्रश्नार्थक शब्दों को समझकर उत्तर देने में समर्थ हो सकते हैं।	षष्ठः पाठः सुभाषितानि	• शुद्ध उच्चारण करना। • 'सुभाषितानि' को लिखना। • सुभाषित का अभ्यास करना। • भावार्थ जानना। • शब्दार्थ पढ़ना। • अभ्यास बनाना।	• सुभाषितों को शुद्ध–शुद्ध पढ़ायेंगे। • बच्चे इन्हें स्मरण करेंगे। • इन सुभाषितों को बार–बार लिखवायेंगे। • सुभाषितों का भावार्थ समझायेंगे। • शब्दार्थ को बार–बार पढ़ने हेतु प्रेरित करेंगे। • 'व्याकरणम्' के अन्तर्गत बताये गये संधि–विच्छेद को समझायेंगे। • अभ्यास के प्रश्नों को हल करायेंगे।	12
• गद्यांशों के उच्चारण में समर्थ हो सकेंगे। • कथा पढ़कर तत्संबंधित	सप्तमः पाठः शश–सिंहकथा	• सरल संस्कृत गद्य को पढ़ना। • हलन्त, विसर्ग और अनुस्वार का उचित उच्चारण करना।	• बच्चों को प्रसिद्ध कथाएँ सुनायेंगे। • बच्चों से इस कहानी पर चर्चा करेंगे।	12

प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। • पद संयोजन करके लघु वाक्य निर्माण कर सकते हैं। • लघु प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं। • विभक्त्यन्त पदों को बोलने में समर्थ होते हैं। • गद्य पाठगत पदों के अर्थ को समझने में समर्थ होते हैं।		• बच्चों से मातृभाषा में 'खरगोश और सिंह' की कहानी सुनना। • पाठ को लिखना। • प्रश्नोत्तर हल करना।	• पाठगत गद्य के एक–एक अनुच्छेद को पढ़वायेंगे। • उचित उच्चारण बच्चों को बतायेंगे। • कथा का अर्थ अन्य भाषा में बतायेंगे। • इस तरह की अन्य कहानियाँ सुनाने हेतु बच्चों को प्रेरित करेंगे। • शब्दार्थ को बार–बार पढ़ने हेतु बच्चों को प्रेरित करेंगे। • अभ्यास के प्रश्नों को हल करायेंगे। • कहानी को सुलेख में लिखवायेंगे। • कहानी का भावार्थ बच्चों से मातृभाषा में लिखवायेंगे।	

बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा– 8

विषय– संस्कृत

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (catch up course)

कक्षा 8 (कक्षा 7 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा 8 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

Subject- संस्कृत

सीखने का प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय Chapters	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive Process	अवधि (दिनों में) Duration in (Days)
• गद्यांशों का शुद्ध–शुद्ध उच्चारण करते हैं। • कथा पढ़कर तत्संबंधित प्रश्नों के उत्तर देते हैं। • लङ् लकार के प्रयोग को समझते हैं।	द्वितीयः पाठः कूर्मशशककथा	• पाठ के गद्यांशों का स्पष्ट एवं शुद्ध उच्चारण करना। • पाठ के आधार पर प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों का जबाव देना। • अभ्यास के प्रश्नों को हल करना। • पाठ के व्याकरणिक इकाईयों (यथा लङ् लकार) को पहचानना एवं प्रयोग करना।	• बच्चों को बोलने का पर्याप्त अवसर देंगे। • हाव–भाव के साथ गद्यांशों को पढ़ने का अवसर हो। • पाठ के अभ्यास के प्रश्नों को हल कराए जा सकते हैं। • पाठ के आधार पर प्रश्न निर्माण करवाएँ। • पाठ के लङ् लकार से संबंधित वाक्यों की खोज करें। यथा– चम्पारण्ये सरोवरे एकः कूर्मः निवसतिस्म। तस्य मित्रता शशकेन अभवत्। • कहानी के निहितार्थ एवं उसमें प्रयुक्त नये शब्दों के अर्थ को छात्रों को बतायें।	10 दिन

• अव्यय पदों को जानते हैं एवं उसका वाक्य में प्रयोग करते हैं। • संस्कृत में संख्याओं की अभिव्यक्ति करना जानते हैं। (21 से 50 तक)	षष्ठः पाठः 'संख्या ज्ञानम्'।	• अव्यय पदों को समझना एवं वाक्यों में प्रयोग करना। • संस्कृत भाषा में संख्याओं की अभिव्यक्ति में समर्थ होना। • संख्या नाम का शुद्ध–शुद्ध उच्चारण करना।	• बच्चों को समूह में संख्याओं का वाचन करने हेतु प्रेरित करेंगे। • वाक्य में अव्यय पद खोजना यथा– (क) त्वम् अपि संस्कृतं पठ। (ख) सः ततः पाटलिपुत्रं गतः। (ग) अहम् वदामि यत् त्वं पठ संस्कृतम्। • पाठान्तर्गत तेईस, चौबीस, पचीस, उनतीस के लिए प्रयुक्त संस्कृत शब्द से युक्त वाक्य खोजकर लिखें। • कतिपय मुख्य अव्यय पदों के प्रयोग के प्रति बच्चों को उत्साहित करें। यथा– अतः, अथ, इतः, इति, एकदा, कदा, क्व, च, कुतः, तदा, यथा, हि आदि।	10 दिन
• समानान्तर अन्य कथानक कह सकेंगे। • पाठ के शब्दों के अर्थ दूसरी भाषा में बता सकेंगे। • पढ़े हुए शब्दों का वाक्य प्रयोग एवं लेखन करते हैं। • सप्तमी विभक्ति का वाक्य में	सप्तमः पाठः 'दीपोत्सव'	• सहज भाव में बोलना। • पाठ को समझते हुए पढ़ना। • पाठ के बारे में अपनी राय देना। • पाठ के शब्दों के अर्थ दूसरी भाषा में बताना। • पढ़े हुए शब्दों का वाक्य प्रयोग एवं लेखन करना। • व्याकरणिक इकाईयों यथा– विभक्ति,	• पाठ के बारे में बातचीत करने के अवसर देंगे। • पाठ से संबंधित क्रियाकलापों को निजी जीवन से जोड़कर बोलने का अवसर देगे। • पाठ के आधार पर अन्य भारतीय उत्सव यथा– होली, छठ, दशहरा आदि पर विचारों की अभिव्यक्ति हेतु प्रेरित करेंगे। • पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ शब्दकोश में देखने का अवसर प्रदान करेंगे। • पाठ के शब्दों के अर्थ दूसरी भाषा में बताने हेतु प्रेरित करेंगे। यथा– शरत्कालीन – शारदीय– Winter	10 दिन

प्रयोग करते हैं।		समानान्तर शब्द आदि को समझना एवं प्रयोग करना।	विपणिषु – बाजारो में – In the Markets आपनेषु – दुकानों में – In the shops	
• श्लोकादि पद्यों का शुद्ध–शुद्ध उच्चारण करते हुए सस्वर वाचन करता है एवं लिखता है। • पदों को अलग–अलग करके उसके सामान्य अर्थ को समझता है।	नवमः पाठः सुभाषितानि	• श्लोकों का सस्वर वाचन करना। • वाचनोपरांत समूह में चर्चा करना। • पदों को अलग–अलग कर उसके अर्थों को समझना। • व्याकरणिक इकाईयों यथा संधि–विच्छेद, विभक्ति का प्रयोग करना।	• हाव–भाव के साथ श्लोक के वाचन का पर्याप्त अवसर हो। • वाचन एवं लेखन कार्य गतिविधि के साथ करायें। यथा– दो समूहों में विभक्त कक्षा के एक समूह के प्रत्येक छात्र द्वारा एक–एक श्लोक का वाचन किया जाएगा और दूसरे समूह के बच्चे द्वारा क्रमशः उसका श्यामपट्ट पर लेखन किया जाएगा। यह तबतक होगा जबतक कि दोनों समूहों के सभी बच्चे वाचन और लेखन का कार्य नहीं कर लेंगे। • उच्चारण एवं लेखन के अभ्यास हेतु प्रोत्साहित करें। • शब्दों को अलग–अलग करके उसके कार्यों से अवगत करायें। यथा कः+अतिभारः – कोऽतिभारः तस्य +उच्छेदः – तस्योच्छेदः • राज्ञः पुरूषः, पितुः पुत्रः, स्वामिनः मृत्युः वशिष्ठस्य पत्नी, बालकस्य पुस्तकम् आदि से षष्ठी विभक्ति की अवधारणा स्पष्ट करें।	10 दिन
–हास्य, वार्तालाप आदि रचनाओं का अर्थ समझते हैं। –लोट् लकार एवं लृट्	त्रयोदशः पाठः परिहास कथा	–सहज भाव से बोलना। –पाठ को समझते हुए पढ़ना। –पाठ के आधार पर	• गोनू झा के बारे में बातचीत करने के अवसर हों। • पाठ के आधार पर बातचीत करने के अवसर हों।	10 दिन

लकार के प्रयोग को समझते हैं।		बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। –मिलती–जुलती अन्य कहानी कहना। –पाठ के व्याकरणिक इकाईयों यथा क्त्वा, क्त, टाप्, णिच्, क्तवतु प्रत्यय का प्रयोग करना एवं लृट्, लोट् लकार समझना।	• गोनू झा से संबधित या मिलती–जुलती अन्य कथा सुनाएँ। • 'स्वतंत्रता दिवसः' पाठ से वार्तालाप/संवाद कराने का अवसर प्रदान करें। • व्याकरणिक इकाईयों यथा लोट् लकार, लृट् लकार एवं प्रत्यय से संबंधित गतिविधियाँ हों।	
–पढ़ी सुनी बातों पर बेझिझक बात करते हैं। –परिवेशीय सजगता से संबंधित मुद्दों यथा– खान–पान, पहनावा, संबंधी जिज्ञासा को बोलकर और लिखकर व्यक्त करते हैं। –संधि–विच्छेद, प्रकृति–प्रत्यय विभेद एवं विपरीतार्थक पदों के प्रयोग समझते हैं।	दशमः पाठः दिनचर्या	–धैर्यपूर्वक बातों को सुनना। –शुद्ध–शुद्ध उच्चारण करके पढ़ना। –पढ़ी–सुनी बातों पर बिना हिचकिचाहट के साथ बात करना। –खान–पान (आहार–विहार), पहनावा से संबंधित चर्चा करना एवं लिखना। –पाठ के व्याकरणिक इकाईयों को पहचानना एवं प्रयोग करना। यथा– प्रकृति–प्रत्यय, संधि–विच्छेद, विपरीतार्थक पद की समझ होना।	–बच्चे को सुनने एवं बोलने का पर्याप्त अवसर प्राप्त हो। –कठिन शब्दों का बार–बार उच्चारण करने का अभ्यास करायें। –छोटे समूह बनाकर परस्पर बातचीत करने का अवसर प्रदान करें। –आहार–विहार एवं पहनावा से सम्बन्धित चित्र–तालिका बनाकर उसके नियमों को सरल गतिविधि के माध्यम से समझायें। –पाठ्य–पुस्तक से प्रश्नोत्तरी करने हेतु प्रेरित करें।	10 दिन

संस्कृत

लेखन

नाम	विद्यालय/संस्थान का नाम
डा0 सीताराम झा	उ0 म0 विद्यालय विष्णुपुर, चौगमा, बेनीपुर
श्री ब्रह्मेन्द्र नारायण मिश्र	उ0 म0 विद्यालय, शाहपुर, औराई
श्री लक्ष्मी नारायण सिंह	प्रा0 वि0 नया पानापुर, चिड़ैयाटोक पूर्वी टोला, दानापुर, पटना
श्री चंद्र किशोर ठाकुर	के0 आर0 एम0 उच्च माध्यमिक विद्यालय, नेतौल, पटना

अकादमिक सहयोग–राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार के संकाय सदस्य

- डा0 किरण शरण, संयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी भाषा एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
- डा0 रश्मि प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डा0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डा0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी, शिक्षण शास्त्र, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री राम विनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डा0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग
- डा0 राधे रमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक, कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डा0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डा0 अर्चना, प्रभारी, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग
- श्रीमती विभा रानी, समन्वयक जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्रीमती आभा रानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना